सप्तदश माला, खंड 22, अंक 1 **मंगलवार, 31 जनवरी, 2023**

11 माघ, 1944 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

ग्यारहवां सत्र
(सत्रहवीं लोक सभा)

(खंड 22 में अंक 1 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

<u>सम्पादक मंडल</u>

उत्पल कुमार सिंह
महासचिव
लोक सभा

ममता केमवाल
संयुक्त सचिव

अमर सिंह
निदेशक

कैलाश बैसोया
संयुक्त निदेशक

विकास नेमा
उप निदेशक

© 2023 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक ही सीमित नहीं है। तथापि, इस सामग्री का केवल निजी, गैर-वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अंतर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनाएं सुरक्षित रहें।

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण का अनुवाद कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence**) आधारित सॉफ्टवेयर एप्पलीकेशन की सहायता से किया गया है और सटीक अनुवाद उपलब्ध कराने के लिए यथोचित प्रयास किए गए हैं। तथापि,** हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

विषय-सूची

सप्तदश माला, खंड 22, ग्यारहवां सत्र, 2023 / 1944 (शक)

अंक 1, मंगलवार, 31 जनवरी, 2023 / 11 माघ, 1944 (शक)

विषय	पृष्ठ संख्या
सत्रहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची	4-37
लोक सभा के पदाधिकारी	38
मंत्रिपरिषद	39-47
राष्ट्रगान	49
राष्ट्रपति का अभिभाषण	49-71
निधन संबंधी उल्लेख	72-73
अध्यक्ष द्वारा घोषणा	74
(1) भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहला आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई	74
(2) मेंबर्स पोर्टल के माध्यम से आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 का डिजिटल परिचालन	74
सभा पटल पर रखे गए पत्र	75

सत्रहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची

अंगड़ी, श्रीमती मंगल सुरेश (बेलगाम)

अंसारी, श्री अफजाल (गाजीपुर)

अग्रवाल, श्री राजेन्द्र (मेरठ)

अजगल्ले, श्री गुहाराम (जांजगीर-चांपा)

अज़मल, श्री एम. बदरुद्दीन (धुबरी)

अधिकारी (देव), श्री दीपक (घाटल)

अधिकारी, श्री दिव्येन्दु (तामलुक)

अधिकारी, श्री शिशिर कुमार (कांथी)

अनुराधा, श्रीमती चिंता (अमलापुरम)

अन्नादुरई, श्री सी. एन. (तिरुवन्नामलाई)

अब्दुल्ला, डॉ. फारूख (श्रीनगर)

अमरप्पा, श्री कराडी सनगन्ना (कोप्पल)

अम्बरीश, श्रीमती सुमलता (मान्डया)

अली, कुंवर दानिश (अमरोहा)

अहमद,श्रीमती साजदा (उलुबेरिया)

अहलुवालिया,श्री एस.एस. (बर्धमान-दुर्गापुर)

आजाद, श्रीमती संगीता (लालगंज)

आनन्द, श्री डी. एम. कथीर (वेल्लोर)

आरिफ, एडवोकेट ए.एम. (अलप्पुझा)

ईडन, श्री हैबी (एरनाकुलम)

ईरानी, श्रीमती स्मृति जूबिन (अमेठी)

उइके, श्री दुर्गा दास (बैतूल)

उदासी, श्री एस. सी. (हावेरी)

उन्नीथन, श्री राजमोहन (कासरगोड)

वैथिलिंगम , श्री वी. (पुडुचेरी)

उलाका, श्री सप्तगिरी शंकर (कोरापुट)

एन्टोनी, श्री एंटो (पथनमथीट्टा)

ओझा, श्रीमती क्वीन (गौहाटी)

ओराम, श्री जुएल (सुंदरगढ़)

ओवैसी, श्री असादुद्दीन (हैदराबाद)

औजला, श्री गुरजीत सिंह (अमृतसर)

कटारा, श्री कनकमल (बांसवाड़ा)

कटारिया, श्री रतन लाल (अम्बाला)

कटील, श्री नलीन कुमार (दक्षिण कन्नड़)

कठेरिया, डॉ. रामशंकर (इटावा)

कपूर, श्री किशन (कांगड़ा)

करूणानिधि, श्रीमती कनिमोझी (थूथुक्कुडी)

कश्यप, श्री धर्मेन्द्र (आंवला)

कश्यप, श्री सुरेश (शिमला)

कस्वां, श्री राहुल (चुरू)

काछड़िया, श्री नारणभाई (अमरेली)

कामैत, श्री दिलेश्वर (सुपौल)

कारान्दलाजे, कुमारी शोभा (उदुपी चिकमगलूर)

किंजरापु, श्री राम मोहन नायडू(श्रीकाकुलम)

किशन, श्री रवि (गोरखपुर)

किशोर, श्री कौशल (मोहनलालगंज)

कीर्तिकर, श्री गजानन (मुम्बई उत्तर पश्चिम)

कुंडारिया, श्री मोहनभाई (राजकोट)

कुमार, डॉ. वीरेन्द्र (टीकमगढ़)

कुमार, श्री कौशलेन्द्र (नालंदा)

कुमार, श्री धनुष एम. (तेनकासी)

कुमार, श्री नरेन्द्र (झुन्झुनू)

कुमार, श्री बंदी संजय (करीमनगर)

कुमार, श्री विजय (गया)

कुमार, श्री संतोष (पूर्णिया)

कुमार, श्री सुनील (वाल्मीकिनगर)

कुमारी, सुश्री दिया (राजसमन्द)

कुरियाकोस, एडवोकेट डीन (इडुक्की)

कुलस्ते ,श्री फग्गनसिंह (मंडला)

कुशवाहा , श्री रविन्दर (सलेमपुर)

कैसर, चौधरी महबूब अली (खगड़िया)

कोटक, श्री मनोज (मुंबई उत्तर-पूर्व)

कोटागिरी, श्री श्रीधर (एलुरु)

कोडा, श्रीमती गीता (सिंहभूम)

कोल, श्री पकौड़ी लाल (राबर्ट्सगंज)

कोली, श्रीमती रंजीता (भरतपुर)

कोल्हे, डॉ. अमोल रामसिंह (शिरूर)

कौर, श्रीमती परनीत (पटियाला)

कौशिक, श्री रमेश चन्द्र (सोनीपत)

खाडसे, श्रीमती रक्षा निखिल (रावेर)

खान, श्री अबू ताहेर (मुर्शिदाबाद)

खान, श्री सौमित्र (बिष्णुपुर)

खालेक, श्री अब्दुल (बारपेटा)

खुबा, श्री भगवंत (बीदर)

खेर, श्रीमती किरण (चंडीगढ़)

गंगवार, श्री संतोष कुमार (बरेली)

गंभीर, श्री गौतम (पूर्वी दिल्ली)

गडकरी, श्री नितिन जयराम (नागपुर)

गणेशमूर्ति, श्री ए. (इरोड)

गद्दीगौदर, श्री पी.सी. (बागलकोट)

गल्ला, श्री जयदेव (गुंटूर)

गवली (पाटील), श्रीमती भावना (यवतमाल-वाशिम)

गांधी, श्री फिरोज़ वरुण (पीलीभीत)

गांधी, श्री राहुल (वायनाड)

गांधी, श्रीमती मेनका संजय (सुल्तानपुर)

गांधी, श्रीमती सोनिया (रायबरेली)

गाव, श्री तापिर (अरुणाचल पूर्व)

गावित, श्री राजेन्द्र धेड्या (पालघर)

गावीत, डॉ. हिना विजयकुमार (नन्दुरबार)

गिल, श्री जसबीर सिंह (खडूर साहिब)

गीता विश्वनाथ, श्रीमती वांगा (काकीनाडा)

गुप्ता, श्री संगम लाल (प्रतापगढ़)

गुप्ता, श्री सुधीर (मन्दसौर)

गुरुमूर्ति, श्री मद्दीला (तिरुपति)

गोगोई ,श्री तपन कुमार (जोरहाट)

गोगोई, श्री गौरव (कलियाबोर)

गोडसे, श्री हेमन्त तुकाराम (नासिक)

गोस्वामी, श्री दुलाल चन्द्र (कटिहार)

गौड़ा, श्री डी. वी. सदानन्द (बैंगलोर उत्तर)

गौतम, श्री सतीश कुमार (अलीगढ़)

घोष, श्री दिलीप (मेदिनीपुर)

चक्रवर्ती, सुश्री मिमी (जादवपुर)

चटर्जी, श्रीमती लॉकेट (हुगली)

चन्देल, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह (हमीरपुर)

चन्द्र शेखर, श्री बेल्लाना (विज़यानगरम)

चन्द्र, श्री गिरीश (नगीना)

चाज़िकाडन, श्री थोमस (कोट्टायम)

चावड़ा, श्री विनोद लखमशी (कच्छ)

चाहर, श्री राजकुमार (फतेहपुर सीकरी)

चिखलीकर, श्री प्रतापराव पाटिल (नांदेड़)

चिदम्बरम, श्री कार्ती पी. (शिवगंगा)

चिनराज, श्री ए.के.पी. (नामाक्कल)

चुड़ासमा, श्री राजेश नारणभाई (जूनागढ़)

चेल्लाकुमार, डॉ. ए. (कृष्णागिरी)

चौधरी, श्री अधीर रंजन (बहरामपुर)

चौधरी, श्री अबु हसीम खान (माल्दहा दक्षिण)

चौधरी, श्री कैलाश (बाड़मेर)

चौधरी, श्री चंद्र प्रकाश (गिरिडीह)

चौधरी, श्री पंकज (महाराजगंज)

चौधरी, श्री पी. पी. (पाली)

चौधरी, श्री प्रदीप कुमार (कैराना)

चौधरी, श्री भागीरथ (अजमेर)

चौधुरी, सुश्री देबाश्री (रायगंज)

चौबे, श्री अश्विनी कुमार (बक्सर)

चौहान, श्री देवुसिंह (खेड़ा)

चौहान, श्री निहाल चन्द (गंगानगर)

जगतरक्षकन, श्री एस. (अराकोन्नम)

जटुआ, श्री चौधरी मोहन (मथुरापुर)

जयकुमार, डॉ. के. (तिरुवल्लूर)

जरदोश, श्रीमती दर्शना विक्रम (सूरत)

ज़लील, श्री सय्यद ईमत्याज (औरंगाबाद)

जहां, श्रीमती नुसरत (बसीरहाट)

जादौन, डॉ. चन्द्र सेन (फिरोजाबाद)

जाधव, डॉ. उमेश जी. (गुलबर्गा)

जाधव, श्री प्रतापराव (बुलढाणा)

जाधव, श्री संजय (परभणी)

जायसवाल, डॉ. संजय (पश्चिम चम्पारण)

जावेद, डॉ. मोहम्मद (किशनगंज)

जिगाजिनागि, श्री रमेश चंदप्पा (बीजापुर)

जोतिमणि, सुश्री एस. (करूर)

जोल्ले, श्री अण्णासाहेब शंकर (चिक्कोडी)

जोशी, प्रो. रीता बहुगुणा (इलाहाबाद)

जोशी, श्री प्रहलाद (धारवाड़)

जोशी, श्री सी. पी. (चित्तौड़गढ़)

जौनापुरिया, श्री सुखबीर सिंह (टोंक-सवाई माधोपुर)

ज्ञानतिरावियम, श्री एस. (तिरूनेलवेली)

ज्योति, साध्वी निरंजन (फतेहपुर)

टम्टा, श्री अजय (अल्मोड़ा)

टेनी, श्री अजय मिश्र (खीरी)

ठाकुर, श्री अनुराग सिंह (हमीरपुर)

ठाकुर, श्री गोपाल जी (दरभंगा)

ठाकुर, श्री शान्तनु (बनगांव)

ठाकुर, साध्वी प्रज्ञा सिंह (भोपाल)

डाभी, श्री भरतसिंहजी शंकरजी (पाटण)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार)

तटकरे, श्री सुनील दत्तात्रेय (रायगढ)

तडस, श्री रामदास (वर्धा)

तिरुमावलवन, डॉ. थोल (चिदम्बरम)

थिरूनवुक्करासर, श्री सु. (तिरुचिरापल्ली)

तिवारी, श्री मनीश (आनंदपुर साहिब)

तिवारी, श्री मनोज (उत्तर पूर्व दिल्ली)

तुमाने, श्री कृपाल बालाजी (रामटेक)

तेली, श्री रामेश्वर (डिब्रूगढ़)

तोमर, श्री नरेन्द्र सिंह (मुरैना)

त्रिपाठी, डॉ. रमापति राम (देवरिया)

त्रिपुरा, श्री रेबती (त्रिपुरा पूर्व)

टुडु, इंजीनियर बिश्वेश्वर (मयूरभंज)

थंगापंडियन, डॉ. टी. सुमति (ए) तामिझाची (चेन्नई दक्षिण)

थरूर, डॉ. शशि (तिरूवनन्तपुरम)

दस्तीदार, डॉ. काकोली घोष (बारासात)

दादाराव, श्री दानवे रावसाहेब (जालना)

दामोर, इंजीनियर गुमान सिंह (रतलाम)

दरबार, श्री छतर सिंह (धार)

दास, श्री पल्लब लोचन (तेजपुर)

दिलेर, श्री राजवीर (हाथरस)

दुग्गल, सुश्री सुनीता (सिरसा)

दुबे, डॉ. निशिकांत (गोड्डा)

दुबे, श्री विजय कुमार (कुशीनगर)

देओल, श्री सन्नी (गुरदासपुर)

देब, श्री नितेश गंगा (सम्बलपुर)

देलकर , श्रीमती कलाबेन मोहनभाई (दादरा और नगर हवेली)

देवरायालू, श्री लावू श्रीकृष्णा (नरसाराओपेट)

देवी, श्रीमती अन्नपुर्णा (कोडरमा)

देवी, श्रीमती रमा (शिवहर)

देवी, श्रीमती वीणा (वैशाली)

देवेन्द्रप्पा, श्री वाई. (बेल्लारी)

द्विवेदी, श्री हरीश (बस्ती)

धडुक, श्री रमेशभाई एल. (पोरबंदर)

धर्मापुरी, श्री अरविंद (निजामाबाद)

धानोरकर, श्री बालूभाऊ उर्फ सुरेश नारायण (चन्द्रपुर)

धोत्रे, श्री संजय शामराव (अकोला)

नटराजन, श्री पी.आर. (कोयम्बटूर)

नवासखनी, श्री के. (रामनाथपुरम)

नाईक, श्री राजा अमरेश्वर (रायचूर)

नाईक, श्री श्रीपाद येसो (उत्तर गोवा)

नागर, श्री मलूक (बिजनौर)

नागर, श्री रोड़मल (राजगढ़)

नाथ, श्री नकुल के. (छिंदवाड़ा)

नाथ, श्री बालक (अलवर)

नामग्याल, श्री जामयांग शेरिंग (लद्दाख)

निम्बालकर, श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक (माधा)

निषाद, श्री अजय (मुजफ्फरपुर)

निषाद, श्री प्रवीन कुमार (संत कबीर नगर)

नेते, श्री अशोक महादेवराव (गड़चिरोली-चिमुर)

पंडा, श्री बसंत कुमार (कालाहाण्डी)

पचौरी, श्री सत्यदेव (कानपुर)

पटेल (बकाभाई), श्री मितेष (आनंद)

पटेल, डॉ. के. सी. (वलसाड)

पटेल, श्री आर. के. सिंह (बांदा)

पटेल, श्री गजेन्द्र उमराव सिंह (खरगौन)

पटेल, श्री देवजी (जालौर)

पटेल, श्री परबतभाई सवाभाई (बनासकांठा)

पटेल, श्री प्रहलाद सिंह (दमोह)

पटेल, श्री लालूभाई बी.(दमन और दीव)

पटेल, श्री हँसमुखभाई एस. (अहमदाबाद पूर्व)

पटेल, श्रीमती अनुप्रिया (मिर्जापुर)

पटेल, श्रीमती केशरी देवी (फूलपुर)

पटेल, श्रीमती शारदा अनिल (महेसाणा)

पलानीमणिक्कम, श्री एस.एस. (तंजावुर)

पवार, डॉ. भारती प्रवीण (दिन्डोरी)

पसुनूरी, श्री दयाकर (वारंगल)

पाटिल, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब (जलगाँव)

पाटिल, श्री ज्ञानेश्वर (खण्डवा)

पाटिल, श्री सी.आर. (नवसारी)

पाटिल, श्री हेमन्त (हिंगोली)

पाटील, श्री कपिल मोरेश्वर (भिवंडी)

पाटील, श्री बी. बी. (जहीराबाद)

पाटील, श्री श्रीनिवास दादासाहेब (सतारा)

पाटील, श्री संजय काका (सांगली)

पाठक, श्री सुब्रत (कन्नौज)

पाठक, श्रीमती रीती (सीधी)

पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र नाथ (चन्दौली)

पाण्डेय, श्री रितेश (अम्बेडकर नगर)

पाण्डेय, श्री संतोष (राजनंदगाँव)

पारस, श्री पशुपति कुमार (हाजीपुर)

पारिवेन्धर, डॉ. टी.आर. (पेरम्बलुर)

पार्थिबन, श्री एस.आर. (सलेम)

पाल, श्री कृष्ण (फरीदाबाद)

पाल, श्री जगदम्बिका (डुमरियागंज)

पाला, श्री विनसेंट एच. (शिलौंग)

पासवान, श्री कमलेश (बासगाँव)

पासवान, श्री चिराग कुमार (जमुई)

पासवान, श्री छेदी (सासाराम)

पिन्टू, श्री सुनील कुमार (सीतामढ़ी)

पुजारी, श्री सुरेश (बारगढ)

पोथुगन्ती, श्री रामुलु (नगरकुरनूल)

पोद्दार, श्रीमती अपरूपा (आरामबाग)

प्रकाश, एडवोकेट अदूर (अट्टिंगल)

प्रकाश, श्री जय (हरदोई)

प्रकाश, श्री सोम (होशियारपुर)

प्रथापन, श्री टी.एन. (त्रिस्सूर)

प्रसाद, श्री चन्देश्वर (जहानाबाद)

प्रसाद, श्री रवि शंकर (पटना साहिब)

प्रसाद, श्री वी. श्रीनिवास (चामराजनगर)

प्रामाणिक, श्री निशीथ (कूचबिहार)

प्रेमचन्द्रन, श्री एन. के. (कोल्लम)

फिरोजिया, श्री अनिल (उज्जैन)

फोज़, डॉ. लोरहो (बाह्य मणिपुर)

बघेल, प्रो. एस.पी. सिंह (आगरा)

बघेल, श्री विजय (दुर्ग)

बचेगौडा, श्री बी.एन. (चिकबल्लापुर)

बनर्जी, श्री अभिषेक (डायमण्ड हार्बर)

बनर्जी, श्री कल्याण (श्रीरामपुर)

बनर्जी, श्री प्रसून (हावड़ा)

बन्दोपाध्याय, श्री सुदीप (कोलकाता उत्तर)

बरुवा, श्री प्रदान (लखीमपुर)

बर्क, डॉ. शफीकुर्रहमान (सम्भल)

बर्ला, श्री जॉन (अलीपुरद्वारस)

बशीर, श्री ई.टी. मोहम्मद (पोन्नानी)

बसवराज, श्री जी. एस. (तुमकुर)

बहेड़िया, श्री सुभाष चन्द्र (भीलवाड़ा)

बादल, श्री सुखबीर सिंह (फिरोज़पुर)

बादल, श्रीमती हरसिमरत कौर (भटिंडा)

बापट, श्री गिरीश भालचन्द्र (पुणे)

बारणे, श्री श्रीरंग आप्पा (मावल)

बालियान, डॉ. संजीव कुमार (मुजफ्फरनगर)

बालू, श्री टी.आर. (श्रीपेरम्बुदुर)

बिधूड़ी, श्री रमेश (दक्षिण दिल्ली)

बिन्द, श्री रमेश (भदोही)

बिरला, श्री ओम (कोटा)

बिष्ट, श्री राजू (दार्जिलिंग)

बिसाई, श्रीमती प्रमिला (अस्का)

बिसेन, डॉ. ढालसिंह (बालाघाट)

बे, श्री होरेन सिंह (स्वशासी जिले)

बेनीवाल, श्री हनुमान (नागौर)

बेहनन, श्री बैन्नी (चालाकुडी)

बैज,श्री दीपक (बस्तर)

बोरदोलोई, श्री प्रदयुत (नौगोंग)

बोरलाकुंता, डॉ वेंकटेश नेता (पेड्डापल्ली)

बोहरा, श्री रामचरण (जयपुर)

भगत, श्री सुदर्शन (लोहरदगा)

भट्ट, एडवोकेट अजय (नैनीताल-ऊधम सिंह नगर)

भट्ट, श्रीमती रंजनबेन (वडोदरा)

भरत, श्री मारगनी (राजामुन्दरी)

भाटिया, श्री संजय (करनाल)

भाभोर, श्री जसवंतसिंह सुमनभाई (दाहोद)

भामरे, डॉ. सुभाष रामराव (धुले)

भार्गव, श्री रमाकान्त (विदिशा)

भोलानाथ ‘बी. पी. सरोज’, श्री (मछलीशहर)

'भोले', श्री देवेन्द्र सिंह (अकबरपुर)

भौमिक, सुश्री प्रतिमा (त्रिपुरा पश्चिम)

मंडल ,श्री रामप्रीत (झंझारपुर)

मंडल, श्री सुनील कुमार (वर्धमान पूर्व)

मंडल, श्रीमती मंजुलता (भद्रक)

मंडल,श्री अजय कुमार (भागलपुर)

मजूमदार ,डॉ. सुकान्त (बालूरघाट)

मणिक्कम टैगोर, श्री बी. (विरुधुनगर)

मण्डल, श्रीमती प्रतिमा (जयनगर)

मण्डावी, श्री मोहन (कांकेर)

मल,श्री असित कुमार (बोलपुर)

मलोथू,श्रीमती कविता (महबूबाबाद)

मल्लाह ,श्री कृपानाथ (करीमगंज)

मल्लिक ,डॉ. राजश्री (जगतसिंहपुर)

मसूदी, श्री हसनैन (अनन्तनाग)

महंत ,श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास (कोरबा)

महताब ,श्री भर्तृहरि (कटक)

महतो ,श्री ज्योतिर्मय सिंह (पुरूलिया)

महतो ,श्री बिद्युत बरन (जमशेदपुर)

महाजन ,श्रीमती पूनम (उत्तर मध्य मुम्बई)

महाराज ,डॉ. स्वामी साक्षीजी (उन्नाव)

मांडलिक,श्री संजय सदाशिवराव (कोल्हापुर)

माझी ,श्री रमेश चन्द्र (नबरंगपुर)

माडम, श्रीमती पूनमबेन (जामनगर)

माणे ,श्री धैर्यशील संभाजीराव (हातकणंगले)

माधव ,श्री कुरुवा गोरांतला (हिन्दुपुर)

माधवी ,कुमारी गोड्डेति (अराकु)

मान, सरदार सिमरनजीत सिंह (संगरूर)

मारन, श्री दयानिधि (चेन्नई सेंट्रल)

मिश्र, श्री जनार्दन (रीवा)

मिश्रा, श्री पिनाकी (पुरी)

मीणा, श्री अर्जुन लाल (उदयपुर)

मीना, श्रीमती जसकौर (दौसा)

मुंजपरा, डॉ. (प्रोफेसर) महेंद्र (सुरेन्द्रनगर)

मुंडा, श्री अर्जुन (खूँटी)

मुंडे, डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव (बीड)

मुनिस्वामी, श्री एस. (कोलार)

मुरलीधरन, श्री के. (वडाकरा)

मुर्मु, कुमारी चन्द्राणी (क्योंझर)

मुर्मु, श्री खगेन (माल्दहा उत्तर)

मेंढे, श्री सुनील बाबूराव (भन्डारा-गोंदिया)

मेघवाल, श्री अर्जुन राम (बीकानेर)

मोइत्रा, सुश्री महुआ (कृष्णानगर)

मोदी, श्री नरेन्द्र (वाराणसी)

मोहंती, श्री अनुभव (केन्द्रपाड़ा)

मोहन, श्री पी.सी. (बैंगलोर सेंट्रल)

मौर्य, डॉ. संघमित्रा (बदायूं)

यादव 'निरहुआ', श्री दिनेश लाल (आजमगढ़)

यादव, श्री अशोक कुमार (मधुबनी)

यादव, श्री कृष्ण पाल सिंह (गुना)

यादव, श्री गिरिधारी (बांका)

यादव, श्री दिनेश चन्द्र (मधेपुरा)

यादव, श्री राम कृपाल (पाटलिपुत्र)

यादव, श्री श्याम सिंह (जौनपुर)

यादव, श्रीमती डिम्पल (मैनपुरी)

येपथोमी, श्री तोखेहो (नागालैण्ड)

रंगैय्या, डॉ. तालारी (अनन्तपुर)

रंजन, डॉ. आर. के. (आंतरिक मणिपुर)

रमेश, श्री टी. आर. वी. एस. (कुड्डालोर)

रविकुमार, डॉ. डी. (विलुपुरम)

रविन्द्रनाथ, श्री पी. (थेनी)

रहमान, श्री खलीलुर (जंगीपुर)

रहमान, श्री हाजी फजलुर (सहारनपुर)

राऊत, श्री विनायक भाऊराव (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग)

राघवन, श्री एम. के. (कोझिकोड)

राघवेन्द्र श्री बी.वाई. (शिमोगा)

राज, श्री प्रिंस (समस्तीपुर)

राजपूत, श्री मुकेश (फर्रूखाबाद)

राजा, श्री ए. (नीलगिरी)

राजू, श्री रघु राम कृष्ण (नरसापुरम)

राजेनिंबालकर, श्री ओम पवन (उस्मानाबाद)

राजोरिया, डॉ. मनोज (करौली-धौलपुर)

राठवा, श्रीमती गीताबेन वी. (छोटा उदयपुर)

राठौड़, श्री दीपसिंह शंकरसिंह (साबरकांठा)

राठौड़, श्री रतनसिंह मगनसिंह (पंचमहल)

राठौर, कर्नल (सेवानिवृत) राज्यवर्धन (जयपुर ग्रामीण)

राणा, श्रीमती नवनित रवि (अमरावती)

राम, श्री विष्णु दयाल (पलामू)

रामलिंगम, श्री एस. (मइलादुथरई)

राय (बनर्जी) ,श्रीमती शताब्दी (बीरभूम)

राय ,डॉ. राजदीप (सिल्चर)

राय, डॉ. जयंत कुमार (जलपाईगुड़ी)

राय, प्रो. सौगत (दमदम)

राय, श्री नित्यानन्द (उजियारपुर)

राय, श्रीमती संध्या (भिंड)

राय,श्रीमती माला (कोलकाता दक्षिण)

राव, श्री नामा नागेश्वर (खम्माम)

राव, श्री सोयम बापू (आदिलाबाद)

रावत, श्री अशोक कुमार (मिश्रिख)

रावत, श्री उपेंद्र सिंह (बाराबंकी)

रावत, श्री तीरथ सिंह (गढ़वाल)

रिजीजू, श्री किरेन (अरुणाचल पश्चिम)

रूडी, श्री राजीव प्रताप (सारण)

रेड़डप्प, श्री एन. (चित्तूर)

रेड्डी, डॉ. जी. रणजीत (चेवेल्ला)

रेड्डी, श्री अदला प्रभाकर (नेल्लोर)

रेड्डी, श्री अनुमुला रेवंत (मल्काजगिरी)

रेड्डी, श्री उत्तम कुमार (नलगोन्डा)

रेड्डी, श्री कोथा प्रभाकर (मेडक)

रेड्डी, श्री कोमती रेड्डी वेंकट (भोंगीर)

रेड्डी, श्री जी. किशन ((सिकन्दराबाद)

रेड्डी, श्री पी.वी. मिधुन (राजमपेट)

रेड्डी, श्री पोचा ब्रह्मानंद (नान्दयाल)

रेड्डी, श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू (ओंगोले)

रेड्डी, श्री मन्ने श्रीनिवास (महबूबनगर)

रेड्डी, श्री वाई.एस. अविनाश (कडप्पा)

रेवन्ना, श्री प्रज्ज्वल (हसन)

लाल, श्री अक्षयवर (बहराइच)

लालरोसांगा ,श्री सी. (मिजोरम)

लालवानी , श्री शंकर (इन्दौर)

लेखी, श्रीमती मीनाक्षी (नई दिल्ली)

लोखंडे ,श्री सदाशिव किसान (शिर्डी)

लोधी, श्री घनश्याम सिंह (रामपुर)

लोन ,श्री अकबर (बारामूला)

वर्धन, डॉ. हर्ष (चाँदनी चौक)

वर्मा, श्री प्रवेश साहिब सिंह (पश्चिमी दिल्ली)

वर्मा, श्री भानु प्रताप सिंह (जालौन)

वर्मा, श्री राजेश (सीतापुर)

वर्मा, श्री राम शिरोमणि (श्रावस्ती)

वर्मा, श्रीमती रेखा अरुण (धौरहरा)

वल्लभनेनी, श्री बालाशौरी (मछलीपटनम)

वसावा, श्री प्रभुभाई नागरभाई (बारदौली)

वसावा, श्री मनसुखभाई धनजीभाई(भरूच)

विखे पाटील, डॉ. सुजय (अहमदनगर)

विचारे, श्री राजन बाबूराव (ठाणे)

विजयकुमार उर्फ विजय वसंत, श्री (कन्याकुमारी)

विष्णु प्रसाद, डॉ. एम.के. (अरानी)

वीरास्वामी, डॉ. कलानिधि (चेन्नई उत्तर)

वेंकटेशन, श्री एस. (मदुरै)

वेलुसामी, श्री पी. (डिण्डीगुल)

शइकीया, श्री दिलीप (मंगलदोई)

शर्मा, डॉ. अरविन्द कुमार (रोहतक)

शर्मा, डॉ. महेश (गौतम बुद्ध नगर)

शर्मा, श्री अनुराग (झाँसी)

शर्मा, श्री कुलदीप राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह)

शर्मा, श्री जुगल किशोर (जम्मू)

शर्मा, श्री विष्णु दत्त (खजुराहो)

शाह, श्री अमित (गांधीनगर)

शाह, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी (टिहरी गढ़वाल)

शिंगरी, डॉ. संजीव कुमार (कुरनूल)

शिंदे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ (कल्याण)

शेखावत, श्री गजेन्द्र सिंह (जोधपुर)

शेजवलकर, श्री विवेक नारायण (ग्वालियर)

शेट्टी, श्री गोपाल (मुम्बई उत्तर)

शेवाले, श्री राहुल रमेश (मुम्बई दक्षिण-मध्य)

श्याल, डॉ. भारतीबेन डी. (भावनगर)

श्रंगारे, श्री सुधाकर तुकाराम (लातूर)

श्रीकंदन, श्री वी.के. (पालक्काड़)

श्रीनिवास, श्री केसिनेनी (विजयवाड़ा)

षडङ्गी, श्री प्रताप चंद्र (बालासोर)

षणमुग सुंदरम, श्री के. (पोल्लाची)

संगमा, कुमारी अगाथा के. (तुरा)

सत्यनारायण, श्री एम.वी.वी. (विशाखापटनम)

सत्यवती, डॉ. बीसेट्टी वेंकट (अनाकापल्ले)

सदीक,श्री मोहम्मद (फरीदकोट)

समदानी, डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद (मलप्पुरम)

सरकार, डॉ. सुभाष (बांकुरा)

सरकार, श्री जगन्नाथ (रणघाट)

सरनीया,श्री नव कुमार (कोकराझार)

सरस्वती, श्री सुमेधानन्द (सीकर)

सरूता, श्रीमती रेणुका सिंह (सरगुजा)

सर्दिन्हा, श्री फ्रांसिस्को (दक्षिण गोवा)

सागर,श्री अरुण कुमार (शाहजहाँपुर)

सामंत, प्रो. अच्युतानंद (कंधमाल)

साय, श्रीमती गोमती (रायगढ़)

सारंगी, श्रीमती अपराजिता (भुवनेश्वर)

साव, श्री अरुण (बिलासपुर)

सावंत, श्री अरविंद (मुम्बई दक्षिण)

साहू ,श्री चंद्र शेखर (बरहामपुर)

साहू,श्री चुन्नी लाल (महासमुन्द)

साहू,श्री महेश (धेन्कानल)

सिंह (राजू भैय्या), श्री राजवीर (एटा)

सिंह देव, श्रीमती संगीता कुमारी (बोलंगीर)

सिंह 'ललन ', श्री राजीव रंजन (मुंगेर)

सिंह, जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ वी.के. (गाजियाबाद)

सिंह, डॉ. अमर (फतेहगढ़ साहिब)

सिंह, डॉ. जितेन्द्र (उधमपुर)

सिंह, डॉ. सत्यपाल (बागपत)

सिंह, राव इंद्रजीत (गुड़गांव)

सिंह, श्री अतुल कुमार उर्फ अतुल राय (घोसी)

सिंह, श्री अर्जुन (बैरकपुर)

सिंह, श्री आर. के. (आरा)

सिंह, श्री उदय प्रताप (होशंगाबाद)

सिंह, श्री कीर्ति वर्धन (गौंडा)

सिंह, श्री गणेश (सतना)

सिंह, श्री गिरिराज (बेगूसराय)

सिंह, श्री चन्दन (नवादा)

सिंह, श्री दुष्यंत (झालावाड़-बारां)

सिंह, श्री धर्मवीर (भिवानी-महेन्द्रगढ़)

सिंह, श्री पशुपति नाथ (धनबाद)

सिंह, श्री प्रदीप कुमार (अररिया)

सिंह, श्री बृजभूषण शरण (कैसरगंज)

सिंह, श्री बृजेंद्र (हिसार)

सिंह, श्री भोला (बुलंदशहर)

सिंह, श्री महाबली (काराकाट)

सिंह, श्री रवनीत (लुधियाना)

सिंह, श्री राकेश (जबलपुर)

सिंह, श्री राजनाथ (लखनऊ)

सिंह, श्री राजबहादुर (सागर)

सिंह, श्री राधा मोहन (पूर्वी चंपारण)

सिंह, श्री लल्लू (फैजाबाद)

सिंह, श्री वीरेन्द्र (बलिया)

सिंह, श्री सुनील कुमार (चतरा)

सिंह, श्री सुशील कुमार (औरंगाबाद)

सिंह, श्रीमती कविता (सिवान)

सिंह, श्रीमती प्रतिभा (मंडी)

सिंह, श्रीमती हिमाद्री (शहडोल)

सिगामणि, डॉ. पोन गौतम (कल्लाकुरिची)

सिद्धेश्वर, श्री जी. एम. (दावनगेरे)

सिन्हा, श्री जयंत (हज़ारीबाग)

सिन्हा, श्री शत्रुघ्न (आसनसोल)

सोलंकी, डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई (अहमदाबाद पश्चिम)

सिम्हा, श्री प्रताप (मैसूर)

सीग्रीवाल, श्री जनार्दन सिंह (महाराजगंज)

सुधाकरन, श्री के. (कन्नूर)

सुब्बा, श्री इंद्रा हांग (सिक्किम)

सुब्बारायण, श्री के. (तिरूप्पुर)

सुमन, डॉ. आलोक कुमार (गोपालगंज)

सुरेश, श्री कोडिकुन्नील (मावेलीक्करा)

सुरेश, श्री डी.के. (बंगलौर ग्रामीण)

सुरेश, श्री नंदीगम (बापतला)

सुले, श्रीमती सुप्रिया सदानंद (बारामती)

सूर्या,श्री तेजस्वी (बंगलौर दक्षिण)

सेंथिलकुमार एस., श्री डी.एन.वी. (धर्मापुरी)

सेठ, श्री संजय (राँची)

सेठी, श्रीमती शर्मिष्ठा (जाजपुर)

सेल्वम, श्री जी. (कांचीपुरम)

सेल्वराज, श्री एम. (नागापट्टिनम)

सैनी, श्री नायब सिंह (कुरूक्षेत्र)

सोनकर, श्री विनोद कुमार (कौशाम्बी)

सोनी, श्री सुनील कुमार (रायपुर)

सोरेन, श्री सुनील (दुमका)

सोलंकी, श्री महेंद्र सिंह (देवास)

स्वामी, श्री ए. नारायण (चित्रदुर्ग)

स्वामीजी, डॉ. जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य (शोलापुर)

हंस, श्री हंस राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली)

हरिदास, कुमारी राम्या (अलथूर)

हसन, डॉ. एस.टी. (मुरादाबाद)

हांसदाक, श्री विजय कुमार (राजमहल)

हेगड़े, श्री अनंतकुमार (उत्तर कन्नड़)

हेमामालिनी, श्रीमती (मथुरा)

हेम्ब्रम, श्री कुनार (झाडग्राम)

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री ओम बिरला

सभापति तालिका

श्रीमती रमा देवी

डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी

श्री राजेन्द्र अग्रवाल

श्री कोडिकुन्नील सुरेश

श्री ए. राजा

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी

श्री भर्तृहरि महताब

श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन

डॉ. काकोली घोष दस्तीदार

महासचिव

श्री उत्पल कुमार सिंह

<u>मंत्रिपरिषद</u>

कैबिनेट मंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी	प्रधानमंत्री तथा निम्न मंत्रालयों/विभागों के भी प्रभारीः (1) कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय; (2)परमाणु ऊर्जा विभाग; (3) अंतरिक्ष विभाग; और सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी अन्य मंत्री को आबंटित नहीं किए गए हैं।
श्री राज नाथ सिंह	रक्षा मंत्री
श्री अमित शाह	गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री
श्री नितिन जयराम गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
श्रीमती निर्मला सीतारमण	वित्त मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर	कृषि और किसान कल्याण मंत्री
डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर	विदेश मंत्री
श्री अर्जुन मुंडा	जनजातीय कार्य मंत्री
श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी	महिला और बाल विकास मंत्री तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
श्री पीयूष गोयल	वाणिज्य और उद्योग मंत्री; उपभोक्ता मामले, खाद्य और

	सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा वस्त्र मंत्री
श्री धर्मेन्द्र प्रधान	शिक्षा मंत्री तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री
श्री प्रह्लाद जोशी	संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री
श्री नारायण राणे	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री
श्री सर्वानन्द सोनोवाल	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री तथा आयुष मंत्री
डॉ. वीरेन्द्र कुमार	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
श्री गिरिराज सिंह	ग्रामीण विकास मंत्री और पंचायती राज मंत्री
श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया	नागर विमानन मंत्री तथा इस्पात मंत्री
श्री अश्वनी वैष्णव	रेल मंत्री; संचार मंत्री तथा इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
श्री पशुपति कुमार पारस	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत	जल शक्ति मंत्री
श्री किरेन रिजीजू	विधि और न्याय मंत्री
श्री आर. के. सिंह	विद्युत मंत्री तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
श्री हरदीप सिंह पुरी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री
श्री मनसुख मांडविया	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन और

	उर्वरक मंत्री
श्री भूपेन्द्र यादव	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री
डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय	भारी उद्योग मंत्री
श्री परषोत्तम रूपाला	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
श्री जी. किशन रेड्डी	संस्कृति मंत्री; पर्यटन मंत्री तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री
श्री अनुराग सिंह ठाकुर	सूचना और प्रसारण मंत्री तथा युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री; योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. जितेन्द्र सिंह	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री; प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री; कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री; परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री श्रीपाद येसो नाईक	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री फग्गनसिंह कुलस्ते	इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री प्रहलाद सिंह पटेल	जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अश्विनी कुमार चौबे	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अर्जुन राम मेघवाल	संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री
जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वी.के. सिंह	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कृष्ण पाल	विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री दानवे रावसाहेब दादाराव	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री; कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा खान मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामदास अठावले	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य

	मंत्री
साध्वी निरंजन ज्योति	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. संजीव कुमार बालियान	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री नित्यानंद राय	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पंकज चौधरी	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती अनुप्रिया पटेल	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
प्रो. एस.पी. सिंह बघेल	विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री राजीव चन्द्रशेखर	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में राज्य मंत्री और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री
कुमारी शोभा कारान्दलाजे	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश	वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री वी. मुरलीधरन	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य

	मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती मीनाक्षी लेखी	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सोम प्रकाश	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती रेणुका सिंह सरूता	जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामेश्वर तेली	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस में राज्य मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कैलाश चौधरी	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती अन्नपुर्णा देवी	शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री ए. नारायणस्वामी	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कौशल किशोर	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
एडवोकेट अजय भट्ट	रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री बी.एल. वर्मा	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अजय मिश्रा टेनी	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री देवुसिंह चौहान	संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री भगवंत खुबा	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कपिल मोरेश्वर पाटील	पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री
कुमारी प्रतिमा भौमिक	सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. सुभाष सरकार	शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. भागवत कराड	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. आर.के. रंजन सिंह	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री और शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. भारती प्रवीण पवार	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
इंजीनियर श्री बिश्वेश्वर टुडु	जनजातीय कार्य मंत्रालय मेंराज्य मंत्री तथा जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री शान्तनु ठाकुर	पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. (प्रो.) महेन्द्र मुंजपरा	महिला और बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा आयुष मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जॉन बर्ला	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. एल. मुरुगन	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य

	मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री निशीथ प्रामाणिक	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री और युवक कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री

लोक सभा वाद-विवाद

खंड 22 सत्रहवीं लोक सभा के ग्यारहवें सत्र का पहला दिन अंक 1

लोक सभा

<u>मंगलवार, 31 जनवरी, 2023 / 11 माघ, 1944 (शक)</u>

लोक सभा *अपराह्न बारह बजकर पचास मिनट पर समवेत हुई।*

[**माननीय अध्यक्ष** *पीठासीन हुए*]

राष्ट्रगान

राष्ट्रगान की धुन बजाई गई।

अपराह्न 12.50 बजे

राष्ट्रपति का अभिभाषण*

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष: आइटम नं. 1, महासचिव ।

[अनुवाद]

महासचिव: महोदय, मैं 31 जनवरी, 2023 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

---

* सभा पटल पर रखा गया और ग्रंथालय में भी रखा गया, देखें संख्या एल.टी. 8491/17/23

[हिन्दी]*

माननीय सदस्यगण,

संसद के इस समवेत सत्र को संबोधित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। कुछ ही महीने पहले देश ने अपनी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे करके आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश किया है। आज़ादी के इस अमृतकाल में हजारों वर्षों के गौरवशाली अतीत का गर्व जुड़ा है, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम की प्रेरणाएं जुड़ी हैं और भारत के स्वर्णिम भविष्य के संकल्प जुड़े हैं।

अमृतकाल का यह 25 वर्ष का कालखंड, स्वतन्त्रता की स्वर्णिम शताब्दी का,और विकसित भारत के निर्माण का कालखंड है। ये 25 वर्ष हम सबके लिए और देश के प्रत्येक नागरिक के लिए कर्तव्यों की पराकाष्ठा करके दिखाने के हैं। यह हमारे सामने युग निर्माण का अवसर है, और हमें इस अवसर के लिए शत-प्रतिशत सामर्थ्य के साथ हर क्षण कार्य करना है।

- हमें 2047 तक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है जो अतीत के गौरव से जुड़ा हो,और जिसमें आधुनिकता का हर स्वर्णिम अध्याय हो।
- हमें ऐसा भारत बनाना है, जो आत्मनिर्भर हो और जो अपने मानवीय दायित्वों को पूरा करने के लिए भी समर्थ हो।
- ऐसा भारत- जिसमें गरीबी न हो, जिसका मध्यम वर्ग भी वैभव से युक्त हो।
- ऐसा भारत- जिसकी युवाशक्ति और नारीशक्ति, समाज और राष्ट्र को दिशा देने के लिए सबसे आगे खड़ी हो, जिसके युवा समय से दो कदम आगे चलते हों।
- ऐसा भारत- जिसकी विविधता और अधिक उज्ज्वल हो,जिसकी एकता और अधिक अटल हो।

---

*भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने केंद्रीय कक्ष में हिंदी में अभिभाषण दिया तथा अभिभाषण का अंग्रेजी पाठ भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा पढ़ा गया।

2047 में देश जब इस सच्चाई को जीवंत करेगा तो निश्चित रूप से उस भव्य निर्माण की नींव का अवलोकन और आकलन भी करेगा। तब आज़ादी के अमृतकाल की इस प्रथम बेला को एक अलग आस्था के साथ देखा जाएगा। इसलिए आज अमृतकाल का यह समय, यह कालखंड बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार को, देश के लोगों ने, जब पहली बार सेवा का अवसर दिया,तब 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र से हमने शुरुआत की थी। समय के साथ इसमें 'सबका विश्वास' और 'सबका प्रयास' भी जुड़ गया। यही मंत्र आज विकसित भारत के निर्माण की प्रेरणा बन चुका है। विकास के इस कर्तव्य पथ पर चलते हुए मेरी सरकार को कुछ ही महीनों में नौ वर्ष पूरे हो जाएंगे।

मेरी सरकार के लगभग नौ वर्षों में भारत के लोगों ने अनेक सकारात्मक परिवर्तन पहली बार देखे हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन यह हुआ है कि आज हर भारतीय का आत्मविश्वास शीर्ष पर है और दुनिया का भारत को देखने का नज़रिया बदला है।

- जो भारत कभी अपनी अधिकांश समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों पर निर्भर था, वही आज दुनिया की समस्याओं के समाधान का माध्यम बन रहा है।
- जिन मूल सुविधाओं के लिए देश की एक बड़ी आबादी ने दशकों तक इंतज़ार किया, वे इन वर्षों में उसे मिली हैं।
- जिस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की हम कभी कामना करते थे, वह इन वर्षों में देश में बनना शुरू हुआ है।
- आज भारत में एक ऐसा डिजिटल नेटवर्क तैयार हुआ है, जिससे विकसित देश भी प्रेरणा ले रहे हैं।
- बड़े-बड़े घोटालों, सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की जिन समस्याओं से देश मुक्ति चाहता था, वह मुक्ति अब देश को मिल रही है।

- पॉलिसी पैरालिसिस की चर्चा से बाहर आकर आज देश की पहचान तेज विकास और दूरगामी दृष्टि से लिए गए फैसलों के लिए हो रही है।

- इसलिए हम दुनिया की 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था से पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

यही वो नींव है, जो आने वाले 25 साल में विकसित भारत के निर्माण के आत्मविश्वास को बुलंद करती है।

माननीय सदस्यगण, भगवान बसवेश्वर ने कहा था - **कायकवे कैलास** । अर्थात् कर्म ही पूजा है, कर्म में ही शिव हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मेरी सरकार राष्ट्र निर्माण के कर्तव्य को पूरा करने में तत्परता से जुटी है।

- आज भारत में, एक स्थिर, निडर, निर्णायक और बड़े सपनों के लिए काम करने वाली सरकार है।

- आज भारत में ईमानदार का सम्मान करने वाली सरकार है।

- आज भारत में गरीबों को स्थाई समाधान और उनके स्थाई सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली सरकार है।

- आज भारत में अभूतपूर्व स्पीड और स्केल पर काम करने वाली सरकार है।

- आज भारत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के माध्यम से जनकल्याण को सर्वोपरि रखने वाली सरकार है।

- आज भारत में महिलाओं के सामने से हर बाधा को दूर करने वाली सरकार है।

- आज भारत में प्रगति के साथ ही प्रकृति का भी संरक्षण करने वाली सरकार है।

- आज भारत में विरासत के संरक्षण के साथ ही आधुनिकता को बढ़ावा देने वाली सरकार है।

- आज भारत में अपनी वैश्विक भूमिका को लेकर आत्मविश्वास से आगे बढ़ने वाली सरकार है।

माननीय सदस्यगण, मैं आज इस सत्र के माध्यम से, देशवासियों का आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने लगातार दो बार,एक स्थिर सरकार को चुना है। मेरी सरकार ने देशहित को सदैव सर्वोपरि रखा, नीति-रणनीति में संपूर्ण परिवर्तन की इच्छाशक्ति दिखाई। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर आतंकवाद पर कठोर प्रहार तक, एलओसी से लेकर एलएसी तक हर दुस्साहस के कड़े जवाब तक, आर्टिकल 370 को हटाने से लेकर तीन तलाक तक, मेरी सरकार की पहचान एक निर्णायक सरकार की रही है।

स्थिर और निर्णायक सरकार होने का लाभ हमें 100 साल की सबसे बड़ी आपदा और उसके बाद बनी परिस्थितियों से निपटने में मिल रहा है। दुनिया में जहां भी राजनीतिक अस्थिरता है, वे देश आज भीषण संकटों से घिरे हैं। लेकिन मेरी सरकार ने राष्ट्रहित में जो भी निर्णय किए उससे भारत बाकी दुनिया से बहुत बेहतर स्थिति में है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार का स्पष्ट मत है कि भ्रष्टाचार लोकतंत्र का और सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसलिए बीते वर्षों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध निरंतर लड़ाई चल रही है। हमने सुनिश्चित किया है कि व्यवस्था में ईमानदार का सम्मान होगा।भ्रष्टाचारियों के लिए समाज में किसी भी प्रकार की सहानुभूति न हो, इसके लिए सामाजिक चेतना भी देश में बढ़ रही है।

बीते वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त इको-सिस्टम बनाने की दिशा में, बेनामी संपत्ति अधिनियम को नोटिफाई किया गया। आर्थिक अपराध कर फरार हुए अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम पारित किया गया। सरकारी कामों में पक्षपात और भ्रष्टाचार के चलन को भी खत्म करने के लिए प्रभावी सिस्टम बनाया गया है। आज सरकारी कामों में टेंडर और खरीद के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (जी.ई.एम.) जैसी व्यवस्था है जिसमें अब तक तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है।

राष्ट्र निर्माण में ईमानदार योगदान देने वालों को आज विशेष सम्मान दिया जा रहा है। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में कई जटिलताओं को खत्म कर देशवासियों का जीवन आसान बनाया गया है। फ़ेसलेस जांच को बढ़ावा देने की वजह से व्यवस्था में पारदर्शिता आई है, और उसे जवाबदेह भी बनाया

गया है। पहले टैक्स रिफंड के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ता था। आज आई.टी.आर. भरने के कुछ ही दिनों के भीतर रिफंड मिल जाता है। आज जीएसटी से पारदर्शिता के साथ-साथ करदाताओं की गरिमा भी सुनिश्चित हो रही है।

जनधन-आधार-मोबाइल से फर्जी लाभार्थियों को हटाने से लेकर वन नेशन वन राशन कार्ड तक, एक बहुत बड़ा स्थाई सुधार हमने किया है। बीते वर्षों में डीबीटी के रूप में, डिजिटल इंडिया के रूप में, एक स्थाई और पारदर्शी व्यवस्था देश ने तैयार की है। आज 300 से ज्यादा योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते तक पहुंच रहा है। अब तक पूरी पारदर्शिता से 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम करोड़ों लोगों तक पहुंचाई गई है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट कहती है कि ऐसी योजनाओं और ऐसी व्यवस्थाओं के कारण ही कोरोना काल में भारत करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचा पाया है।

जब भ्रष्टाचार रुकता है और टैक्स की पाई-पाई का सदुपयोग होता है, तब हर टैक्सपेयर को भी गर्व होता है।

माननीय सदस्यगण, आज देश का ईमानदार करदाता चाहता है कि सरकारें शॉर्टकट की राजनीति से बचें।ऐसी योजनाएं बनें, जो समस्याओं के स्थाई समाधान को प्रोत्साहित करें, जिनसे सामान्य जन का सशक्तिकरण हो। इसलिए मेरी सरकार ने वर्तमान चुनौतियों से निपटने के साथ ही देशवासियों के दीर्घकालिक सशक्तिकरण पर बल दिया है।

'गरीबी हटाओ', अब केवल नारा नहीं रह गया है। अब मेरी सरकार द्वारा गरीब की चिंताओं का स्थाई समाधान करते हुए,उसे सशक्त बनाने का काम किया जा रहा है।

जैसे, गरीबी का एक बहुत बड़ा कारण बीमारी होती है। गंभीर बीमारी से गरीब परिवार का हौसला पूरी तरह से टूट जाता है, पीढ़ियां कर्ज में डूब जाती हैं। गरीब को इस चिंता से मुक्त करने के लिए राष्ट्रव्यापी आयुष्मान भारत योजना शुरु की गई। इसके तहत 50 करोड़ से अधिक देशवासियों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों गरीबों को और गरीब होने से

बचाया है, उनके 80 हजार करोड़ रुपए खर्च होने से बचाए हैं। आज देशभर में करीब नौ हजार जनऔषधि केन्द्रों में बहुत कम कीमत में दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे बीते वर्षों में गरीबों के करीब 20 हजार करोड़ रुपए बचे हैं। यानि सिर्फ आयुष्मान भारत और जनऔषधि परियोजना से ही देशवासियों को एक लाख करोड़ रुपए की मदद हुई है।

मैं सामान्य नागरिकों के जीवन से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण संसाधन,पानी का उदाहरण आप सभी के सामने रखना चाहूंगी। मेरी सरकार ने 'हर घर जल' पहुंचाने के लिए 'जल जीवन मिशन' शुरू किया। उसके पहले तक सात दशकों में देश में करीब सवा तीन करोड़ घरों तक ही पानी का कनेक्शन पहुंचा था। लेकिन, जल जीवन मिशन के तहत इन तीन वर्षों में करीब 11 करोड़ परिवार पाईप वाटर सप्लाई से जुड़ चुके हैं। इसका सबसे ज्यादा लाभ गरीब परिवारों को ही हो रहा है, उनकी चिंता का स्थाई समाधान हो रहा है।

बीते वर्षों में सरकार ने साढ़े तीन करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्का घर बनाकर दिया है। जब घर मिलता है तो नया आत्मविश्वास आता है। इससे, उस परिवार का वर्तमान तो सुधरता ही है, उस घर में जो संतान बड़ी होती है उसके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। सरकार ने टॉयलेट, बिजली, पानी, गैस, ऐसी हर मूल सुविधा की चिंता से गरीब को मुक्त करने का प्रयास किया है। इससे देश की जनता को भी यह विश्वास हुआ है कि सरकारी योजना और सरकारी लाभ वास्तव में ज़मीन पर पहुंचता है और भारत जैसे विशाल देश में भी शत-प्रतिशत कवरेज यानि सैचुरेशन संभव है।

हमारे ग्रंथों में लिखा है-

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।

यानी यह अपना है, यह पराया है, ऐसी सोच सही नहीं होती। मेरी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लिए काम किया है। बीते कुछ वर्षों में मेरी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अनेक मूल सुविधाएं आज या तो शत-प्रतिशत आबादी तक पहुंच चुकी हैं या फिर उस लक्ष्य के बहुत निकट हैं।

मेरी सरकार हर योजना में शत-प्रतिशत सैचुरेशन के साथ ही अंत्योदय के प्रति भी पूरी निष्ठा से काम कर रही है। हमारी कोशिश है कि योजनाओं का लाभ सही और सभी लाभार्थियों को मिले, कोई भी सरकार की योजना के लाभ से वंचित न रहे।

माननीय सदस्यगण, हमने देखा है कि कोरोना काल के दौरान दुनिया भर में किस तरह गरीब के लिए गुज़ारा मुश्किल हो गया। लेकिन भारत उन देशों में से एक है जिसने गरीब का जीवन बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और कोशिश की, कि देश में कोई गरीब भूखा नहीं सोए। मुझे खुशी है कि मेरी सरकार ने पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को नई परिस्थितियों के अनुसार आगे भी चलाने का निर्णय लिया है। यह एक संवेदनशील और गरीब-हितैषी सरकार की पहचान है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सरकार गरीबों को मुफ्त अनाज के लिए लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है।आज इस योजना की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है। इस प्रशंसा की एक वजह ये भी है कि टेक्नोलॉजी की मदद से बनी पारदर्शी व्यवस्था में अनाज पूरा का पूरा हर लाभार्थी तक पहुंच रहा है।

माननीय सदस्यगण, हमारे देश में ऐसे अनेक वर्ग तथा ऐसे अनेक क्षेत्र हैं,जिनकी उम्मीदों और आवश्यकताओं पर समुचित ध्यान देकर ही समग्र विकास की परिकल्पना को पूरा किया जा सकता है। अब मेरी सरकार ऐसे हर वंचित वर्ग और वंचित क्षेत्र को वरीयता देते हुए काम कर रही है।

मेरी सरकार ने हर उस समाज की इच्छाओं को पूरा किया है, जो सदियों से वंचित रहा है। गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी, इनकी इच्छाओं को पूरा कर उन्हें सपने देखने का साहस दिया है। कोई भी काम और कोई भी प्रयास छोटा नहीं होता, बल्कि विकास में सभी की अपनी भूमिका है। इसी भाव के साथ वंचित वर्गों और अविकसित क्षेत्रों के विकास पर बल दिया जा रहा है।

रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर बड़ी संख्या में हमारे छोटे व्यवसायी, अपना व्यापार-कारोबार और दुकानदारी करते हैं। मेरी सरकार ने विकास में इन साथियों की भूमिका को भी सराहा है। इसलिए पहली बार इनको फॉर्मल बैंकिंग से जोड़ा और पीएम स्वनिधि के माध्यम से सस्ते और बिना गारंटी के ऋण की

व्यवस्था की। योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। अभी तक करीब 40 लाख साथियों को इसके तहत ऋण दिया जा चुका है।

मेरी सरकार की प्राथमिकता में देश के 11 करोड़ छोटे किसान भी हैं। ये छोटे किसान, दशकों से, सरकार की प्राथमिकता से वंचित रहे थे। अब इन्हें सशक्त और समृद्ध करने के लिए हर तरह की कोशिश की जा रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत इन छोटे किसानों को सवा दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की मदद दी गई है। खास बात ये है कि इन लाभार्थियों में लगभग तीन करोड़ लाभार्थी महिलाएं हैं। इससे अभी तक लगभग 54 हज़ार करोड़ रुपए महिला किसानों को मिल चुके हैं। इसी तरह छोटे किसानों के लिए फसल बीमा,सॉयल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड-केसीसी की कवरेज बढ़ाने के साथ ही हमारी सरकार ने पहली बार पशुपालकों और मछुआरों को भी किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से जोड़ा है। किसानों के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए एफ. पी. ओ. यानि किसान उत्पादक संगठन की स्थापना से लेकर फसलों के एमएसपी में वृद्धि करते हुए, मेरी सरकार छोटे किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की आकांक्षा को जगाया है। ये वही वर्ग है जो विकास के लाभ से सबसे अधिक वंचित था। अब जब मूल सुविधाएं इस वर्ग तक पहुंच रही हैं, तब ये लोग नए सपने देखने में सक्षम हो पा रहे हैं। अनुसूचित जाति के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए डॉक्टर आंबेडकर उत्सव धाम,अमृत जलधारा और युवा उद्यमी योजना जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। आदिवासी गौरव के लिए तो मेरी सरकार ने अभूतपूर्व फैसले किए हैं। पहली बार देश ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरु किया। हाल में ही मानगढ़ धाम में सरकार ने आदिवासी क्रांतिवीरों को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर श्रद्धांजलि दी। आज 36 हज़ार से अधिक आदिवासी बाहुल्य वाले गांवों को प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। आज देश में 400 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल आदिवासी क्षेत्रों में खुल चुके हैं। देशभर में तीन हज़ार से अधिक वनधन विकास केंद्र आजीविका के नए साधन बने हैं। मेरी सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर ओबीसी के कल्याण

के लिए हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। बंजारा,घुमंतू,अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए भी पहली बार कल्याण एवं विकास बोर्ड का गठन किया गया है।

माननीय सदस्यगण, देश में 100 से अधिक जिले ऐसे थे जो विकास के अनेक पैमानों में पीछे रह गए थे। सरकार ने इन जिलों को आकांक्षी जिला (एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट) घोषित कर इनके विकास पर ध्यान दिया। आज ये जिले देश के दूसरे जिलों से बराबरी की ओर बढ़ रहे हैं। आकांक्षी जिलों की सफलता को अब मेरी सरकार ब्लॉक स्तर पर दोहराने के लिए काम कर रही है,और इसके लिए देश में 500 ब्लॉकों को आकांक्षी ब्लॉक के रूप में विकसित करने का कार्य शुरू किया गया है। ये आकांक्षी ब्लॉक, सामाजिक न्याय की एक संस्थागत व्यवस्था के तौर पर विकसित किए जा रहे हैं।

देश के जनजातीय क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्री क्षेत्रों और सीमावर्ती क्षेत्रों को भी बीते दशकों में विकास का सीमित लाभ ही मिल पाया था। नॉर्थ ईस्ट और जम्मू कश्मीर में तो दुर्गम परिस्थितियों के साथ-साथ अशांति और आतंकवाद भी विकास के सामने बहुत बड़ी चुनौती थी। मेरी सरकार ने स्थाई शांति के लिए भी अनेक सफल कदम उठाए हैं और भौगोलिक चुनौतियों को भी चुनौती दी है। इसी का परिणाम है कि नॉर्थ ईस्ट और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र, विकास की एक नई गति का अनुभव कर रहे हैं।

सीमावर्ती गांवों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए मेरी सरकार ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम पर काम शुरू किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी सीमावर्ती क्षेत्रों में अभूतपूर्व इन्फ्रास्ट्रक्चर बीते सालों में तैयार किया गया है। इससे भी, इन क्षेत्रों में विकास को गति मिल रही है। पिछले कुछ दशकों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी वामपंथी हिंसा भी अब कुछ जिलों तक ही सीमित रह गई है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि महिला सशक्तिकरण की रही है। इस संदर्भ में मुझे 'नारी-शक्ति' नामक एक प्रेरक कविता का स्मरण होता है जिसे भारतीय साहित्य की अमर विभूति, स्वाधीनता सेनानी तथा ओडिया भाषा की सुप्रसिद्ध नारी कवि 'उत्कल भारती' कुंतला कुमारी साबत ने लिखा था।आज से लगभग 100 वर्ष पहले उन्होंने यह उद्घोष किया था:

"बसुंधरा-तले भारत-रमणी नुहे हीन नुहे दीन

अमर कीरति कोटि युगे केभें जगतुं नोहिब लीन।"

अर्थात

भारत की नारी पृथ्वी पर किसी की तुलना में न तो हीन है, न दीन है। सम्पूर्ण जगत में उसकी अमर कीर्ति युगों-युगों तक कभी लुप्त नहीं होगी यानि सदैव बनी रहेगी।

मुझे यह देखकर गर्व होता है कि आज की हमारी बहनें और बेटियां उत्कल भारती के सपनों के अनुरूप विश्व स्तर पर अपनी कीर्ति पताका लहरा रही हैं। मुझे प्रसन्नता है कि महिलाओं की ऐसी प्रगति के पीछे मेरी सरकार के प्रयासों का संबल रहा है।

मेरी सरकार द्वारा जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं शुरु की गई हैं, उनके केंद्र में महिलाओं का जीवन आसान बनाना, महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देना और महिला सशक्तिकरण रहा है। महिला उत्थान में जहां पुरानी धारणाओं और पुरानी मान्यताओं को तोड़ना भी पड़ा, उससे भी सरकार पीछे नहीं हटी है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की सफलता आज हम देख रहे हैं। सरकार के प्रयासों से समाज में जो चेतना आई, उससे बेटियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। देश में पहली बार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हुई है एवं महिलाओं का स्वास्थ्य भी पहले के मुकाबले और बेहतर हुआ है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हो या फिर प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, इनसे मां और बच्चे, दोनों के जीवन को बचाने में हम सफल रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना की भी लगभग 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं ही हैं।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनके करियर तक हर बाधा को दूर करने का प्रयास कर रही है। देश के सरकारी स्कूलों में बेटियों के लिए अलग टॉयलेट्स का निर्माण हो या फिर सैनिटेरी पैड्स से जुड़ी योजना, इससे बेटियों के ड्रॉप आउट रेट में बहुत कमी आई है। स्वच्छ भारत अभियान से महिलाओं की गरिमा तो बढ़ी ही है, इससे एक सुरक्षित माहौल भी उन्हें मिला है। सुकन्या समृद्धि योजना से देशभर की करोड़ों बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए पहली बार सेविंग अकाउंट खुले हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बेटियों की शिक्षा के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

मेरी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसी भी काम, किसी भी कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लिए कोई बंदिश न हो। इसलिए माइनिंग से लेकर सेना में अग्रिम मोर्चों तक, हर सेक्टर में महिलाओं की भर्ती को खोल दिया गया है। सैनिक स्कूलों से लेकर मिलिट्री ट्रेनिंग स्कूलों तक में, अब हमारी बेटियां पढ़ाई और ट्रेनिंग कर रही हैं। ये मेरी सरकार ही है जिसने मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया है।

मुद्रा योजना की लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी महिला उद्यमी ही हैं। एक स्टडी के अनुसार, इस योजना से, महिलाओं की आर्थिक शक्ति और सामाजिक फैसलों में उनकी भागीदारी, बढ़ी है।पीएम आवास योजना के तहत मिलने वाले घरों की रजिस्ट्री भी महिलाओं के नाम पर होने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। जनधन योजना से पहली बार देश में बैंकिंग सुविधाओं में महिलाओं और पुरुषों के बीच अब बराबरी आ गई है। देश में इस समय 80 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूह भी काम कर रहे हैं, जिनमें करीब नौ करोड़ महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकार द्वारा लाखों करोड़ रुपए की मदद दी जा रही है।

माननीय सदस्यगण, हमारी विरासत हमें जड़ों से जोड़ती है और हमारा विकास आसमान को छूने का हौसला देता है। इसलिए मेरी सरकार ने विरासत को मजबूती देने और विकास को प्राथमिकता देने की राह चुनी है।

आज एक तरफ देश में अयोध्या धाम का निर्माण हो रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ आधुनिक संसद भवन भी बन रहा है।

एक तरफ हमने केदारनाथ धाम, काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल महालोक का निर्माण किया, तो वहीं हर जिले में हमारी सरकार मेडिकल कॉलेज भी बनवा रही है।

एक तरफ हम अपने तीर्थों और ऐतिहासिक धरोहरों का विकास कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत दुनिया की बड़ी स्पेस पावर बन रहा है। भारत ने पहला प्राइवेट सैटेलाइट भी लॉन्च किया है।

एक तरफ हम आदि शंकराचार्य, भगवान बसवेश्वर, तिरुवल्लुवर, गुरु नानक देव जैसे संतों के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं,वहीं दूसरी तरफ आज भारत हाईटेक नॉलेज का हब भी बनता जा रहा है।

एक तरफ हम काशी-तमिल संगम के जरिए एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रहे हैं तो वहीं वन नेशन, वन राशन कार्ड जैसी आधुनिक व्यवस्था भी बना रहे हैं। डिजिटल इंडिया और 5जी टेक्नॉलॉजी में भारत के सामर्थ्य का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है।

आज भारत जहां योग और आयुर्वेद जैसी अपनी पुरातन विधाओं को पूरी दुनिया तक पहुंचा रहा है, वहीं दूसरी तरफ फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड की नई पहचान भी सशक्त कर रहा है।

आज भारत जहां प्राकृतिक खेती को, मिलेट्स की अपनी परंपरागत फसलों को प्रोत्साहित कर रहा है, वहीं नैनो यूरिया जैसी आधुनिक टेक्नॉलॉजी का भी विकास किया है।

खेती के लिए एक तरफ जहां ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर को हम बेहतर बना रहे हैं,वहीं दूसरी तरफ ड्रोन टेक्नॉलॉजी से, सोलर पावर से किसान को ताकत दे रहे हैं।

शहरों में जहां स्मार्ट सुविधाओं के विकास पर बल दिया जा रहा है,वहीं स्वामित्व योजना से पहली बार गांव के घरों की ड्रोन से मैपिंग की जा रही है।

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर जहां आज हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं, तो वहीं सैकड़ों आधुनिक वंदे भारत ट्रेनें भी लॉन्च हो रही हैं।

एक ओर हमारे व्यापार की परंपरागत ताकत रहे, नदी जलमार्गों और बंदरगाहों को भी आधुनिक बनाया जा रहा है, तो मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक पार्क का नेटवर्क भी तैयार हो रहा है।

माननीय सदस्यगण, आज़ादी के अमृतकाल में देश पंच प्राणों की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है। गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने के लिए भी मेरी सरकार निरंतर प्रयासरत है।

जो कभी राजपथ था, वह अब कर्तव्यपथ बन चुका है।

आज कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा हर भारतीय को गौरवान्वित कर रही है, तो अंडमान निकोबार में भी नेताजी और आज़ाद हिंद फौज के शौर्य को हमने सम्मान दिया है। अभी कुछ ही दिन पहले मेरी सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाषचंद्र बोस आइलैंड पर नेताजी को समर्पित भव्य स्मारक और म्यूज़ियम का शिलान्यास भी किया है।

भारतीय सेना के परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण भी किया गया है।

एक तरफ नेशनल वॉर मेमोरियल आज राष्ट्रीय शौर्य का प्रतीक बन गया है,तो वहीं हमारी नौसेना को भी अब छत्रपति वीर शिवाजी महाराज का दिया प्रतीक चिन्ह मिला है।

एक तरफ जहां भगवान बिरसा मुंडा सहित तमाम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े संग्रहालय बन रहे हैं, डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ बनाए गए हैं, वहीं दूसरी तरफ हर प्रधानमंत्री के योगदान को दर्शाने वाले प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है।

देश ने प्रथम 'वीर बाल दिवस' को भी पूरे गर्व और श्रद्धा से मनाया है। इतिहास की पीड़ाओं और उनके साथ जुड़ी शिक्षाओं को जागृत रखने के लिए देशमें 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' की शुरुआत भी मेरी सरकार ने की है।

माननीय सदस्यगण, मेड इन इंडिया अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का लाभ देश को मिलना शुरु हो चुका है ।आज भारत में मैन्युफेक्चरिंग की अपनी कैपेसिटी भी बढ़ रही है और दुनिया भर से भी मैन्युफेक्चरिंग कंपनियां भारत आ रही हैं।

आज हम भारत में ही सेमी कंडक्टर चिप से लेकर हवाई जहाज के निर्माण तक के लिए प्रयास शुरु कर चुके हैं। ऐसे ही प्रयासों का परिणाम है कि भारत में बने सामान का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पहले तक हम बड़ी संख्या में मोबाइल फोन आयात करते थे। आज भारत दुनिया में मोबाइल फोन का एक बड़ा निर्यातक बन चुका है। देश में खिलौनों के आयात में 70 प्रतिशत कमी आई है, जबकि निर्यात 60 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा है।

मेरी सरकार की नई पहल के परिणामस्वरूप हमारा रक्षा निर्यात छह गुना हो गया है। मुझे गर्व है कि हमारी सेना में आज आईएनएस विक्रांत के रूप में पहला स्वदेशी एयरक्राफ़्ट कैरियर भी शामिल हुआ है। हम मैन्युफेक्चरिंग के नए सेक्टर में ही प्रवेश नहीं कर रहे, बल्कि खादी और ग्रामोद्योग जैसे अपने पारंपरिक सेक्टर में भी प्रशंसनीय काम कर रहे हैं। ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के खादी और ग्रामीण उद्योग का टर्नओवर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है। मेरी सरकार के प्रयासों से, खादी की बिक्री भी चार गुना बढ़ी है।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने नवाचार और उद्यमिता पर निरंतर अभूतपूर्व बल दिया है। इससे दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले हमारे देश की ताकत का सदुपयोग हो रहा है। आज हमारे युवा अपने इनोवेशन की ताकत दुनिया को दिखा रहे हैं।2015 में भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर था। अब हम 40वें स्थान पर पहुँच गए हैं। सात वर्ष पहले जहां भारत में कुछ सौ रजिस्टर्ड स्टार्ट अप्स ही थे, वहीं आज यह संख्या लगभग 90 हजार पहुंच रही है।

आज के युग में हमारी सेनाओं का भी युवाशक्ति में समृद्ध होना, युद्धशक्ति में निपुण होना, टेक्नोलॉजी की पावर से लैस रहना, बहुत अहम है। इन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अग्निवीर योजना

शुरू की गई है। इससे देश की युवाशक्ति को सेनाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा का अधिकतम अवसर मिलेगा।

मेरी सरकार देश के युवाओं की शक्ति को खेलों के जरिए भी देश के सम्मान से जोड़ रही है। हमारे खिलाड़ियों ने कामनवेल्थ गेम्स से लेकर ओलंपिक और पैरा गेम्स में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। देश के कोने-कोने से ऐसी प्रतिभाओं को खोजने, उनका टेलेंट निखारने के लिए खेलो इंडिया गेम्स, खेलो इंडिया सेंटर्स से लेकर टॉप्स स्कीम तक चलाई जा रही है।

हमारी सरकार दिव्यांग कल्याण को लेकर भी पूरी तरह संवेदनशील है। देश में 'एक साइन लैंग्वेज' और सुगम्य भारत अभियान ने दिव्यांग युवाओं को बहुत मदद दी है।

माननीय सदस्यगण, बीते दशकों में हमने भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में दो बड़ी चुनौतियां देखी हैं। एक, इन्फ्रास्ट्रक्चर के बड़े प्रोजेक्ट समय पर पूरे नहीं हो पाते थे। दूसरा, अलग-अलग विभाग, अलग-अलग सरकारें, अपनी-अपनी सुविधा से काम करती थीं। इससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग भी होता था, समय भी अधिक लगता था और सामान्य जन को भी असुविधा होती थी। मेरी सरकार ने पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान बनाकर इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस कदम उठाया है। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान को लेकर राज्यों और यूनियन टेरिटरीज ने भी उत्साह दिखाया है। इससे देश में मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी का भी विस्तार होगा।

मेरी सरकार भारत को विश्व का सबसे कंपीटिटिव लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए पिछले वर्ष देश में नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी लागू की गई है। इस पॉलिसी के लागू होने से लॉजिस्टिक कॉस्ट में काफी कमी आएगी।

मेरी सरकार देश के विकास के लिए जिस स्पीड और स्केल पर काम कर रही है, वह अभूतपूर्व है, अतुलनीय है।

- मेरी सरकार के आने के बाद भारत में गरीबों के लिए औसतन हर रोज आवास योजना के 11 हजार घर बने।
- इसी अवधि में भारत में हर रोज औसतन ढाई लाख लोग, ब्रॉडबैंड कनेक्शन से जुड़े।
- हर रोज 55 हजार से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए गए।
- मुद्रा योजना के तहत हर रोज 700 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन दिया गया।
- बीते आठ-नौ वर्षों में भारत में लगभग हर महीने एक मेडिकल कॉलेज बना है।
- इस दौरान देश में हर दिन में दो कॉलेजों की स्थापना हुई है, हर सप्ताह एक यूनिवर्सिटी बनी है।
- सिर्फ दो साल के भीतर भारत ने 220 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज भी दी है।

सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो साल 2004 से 2014 के बीच देश में जहां 145 मेडिकल कॉलेज खुले थे,वहीं मेरी सरकार में 2014 से 2022 तक 260 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले जा चुके हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सीटों की संख्या अब पहले के मुकाबले देश में दोगुनी हो चुकी है। 2014 से पहले जहां देश में कुल लगभग 725 विश्वविद्यालय थे, वहीं बीते केवल आठ वर्षों में 300 से अधिक नए विश्वविद्यालय बने हैं। इसी दौरान देश में पांच हजार से अधिक कॉलेज भी खोले गए हैं।

इसी प्रकार फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के संबंध में तो देश में कई नए रिकॉर्ड बने हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 2013-14 तक देश में करीब तीन लाख इक्यासी हजार किलोमीटर सड़कें बनीं थीं।

जबकि, 2021-22 तक ग्रामीण सड़कों का ये नेटवर्क सात लाख किलोमीटर से भी ज्यादा हो गया है। अब तक देश की 99 प्रतिशत से अधिक बस्तियां सड़क मार्ग से जुड़ चुकी हैं। वर्ल्ड बैंक सहित अनेक संस्थाओं की स्टडी के अनुसार ग्रामीण सड़कों से गांवों में रोज़गार, खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बहुत सकारात्मक असर पड़ा है।

नेशनल हाइवे नेटवर्क में पिछले आठ वर्षों के दौरान 55 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। जल्द ही भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश के 550 से ज्यादा जिले हाइवे से जुड़ जाएंगे। अर्थव्यवस्था को गति देने वाले कॉरीडोर की संख्या 6 से बढ़कर 50 होने वाली है।

इसी तरह, देश का एविएशन सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। साल 2014 तक जहां देश में एयरपोर्ट्स की संख्या 74 थी, वह अब बढ़कर 147 हो गई है। आज भारत दुनिया का तीसरा बड़ा एविएशन मार्केट बन चुका है। इसमें उड़ान योजना की भी बहुत बड़ी भूमिका है। भारतीय रेलवे अपने आधुनिक अवतार में सामने आ रही है और देश के रेलवे मैप में अनेक दुर्गम क्षेत्र भी जुड़ रहे हैं।वंदे भारत एक्सप्रेस के रूप में एक आधुनिक और सेमी हाईस्पीड ट्रेन भारतीय रेल का हिस्सा बन चुकी है। जम्मू कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट के दुर्गम क्षेत्रों को भी रेलवे से जोड़ा जा रहा है। देश के बड़े रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा बिजली से चलने वाला रेलवे नेटवर्क बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। भारतीय रेल को सुरक्षित बनाने के लिए स्वदेशी तकनीक –कवच का भी हम तेज़ी से विस्तार कर रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, भारत ने उस सोच को भी बदला है जो प्रगति और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानती थी। मेरी सरकार ग्रीन ग्रोथ पर ध्यान दे रही है और पूरे विश्व को लाइफ मिशन से जोड़ने पर बल दे रही है। सरकार ने पिछले आठ वर्षों में सोलर एनर्जी क्षमता को करीब 20 गुना बढ़ाया है। आज भारत,

रीन्युएबल एनर्जी की क्षमता में विश्व में चौथे स्थान पर है। देश के बिजली उत्पादन की 40 प्रतिशत क्षमता नॉन-फॉसिल फ्यूल से पैदा करने का लक्ष्य देश ने नौ वर्ष पहले ही हासिल कर लिया है।यह सफलता वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो के हमारे संकल्प को सशक्त करने वाली है। देश में,पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य पर भी तेजी से काम चल रहा है।

सरकार ने हाल में मिशन हाइड्रोजन को भी स्वीकृति दी है। यह ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत में लाखों करोड़ रुपए के निवेश को आकर्षित करने वाला है। इसके फलस्वरूप क्लीन एनर्जी को लेकर भी,और एनर्जी सिक्योरिटी के लिए भी, विदेशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। देश के शहरों से प्रदूषण कम करना भी हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए बहुत बड़े स्तर पर काम चल रहा है। 'फेम' योजना के तहत राजधानी दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों में केंद्र सरकार द्वारा सात हजार से अधिक इलेक्ट्रिक बसें पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जोड़ी जा रही हैं। बीते आठ वर्षों में देश में मेट्रो नेटवर्क में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। आज 27 शहरों में मेट्रो ट्रेन पर काम चल रहा है। इसी प्रकार देशभर में 100 से ज्यादा नए वॉटरवे भी विकसित किए जा रहे हैं। ये नए वॉटरवे देश में ट्रासंपोर्ट सेक्टर का कायाकल्प करने में मदद करेंगे।

माननीय सदस्यगण, आज की दुनिया अनेक चुनौतियों से गुज़र रही है। दशकों पहले बनी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रासंगिकता और प्रभाव पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। इन परिस्थितियों में भारत ऐसा देश बनकर उभरा है जो आज की विभाजित दुनिया को किसी न किसी रूप में जोड़ रहा है। भारत आज उन देशों में है जो ग्लोबल सप्लाई चेन पर विश्वास को फिर से सशक्त कर रहे हैं। इसलिए आज दुनिया भारत की तरफ उम्मीद की नज़रों से देख रही है।

इस वर्ष भारत जी-20 जैसे प्रभावी समूह का नेतृत्व कर रहा है। **वन अर्थ,वन फैमिली,वन फ्यूचर** के मंत्र के साथ भारत की पूरी कोशिश है कि जी-20 के सदस्य देशों के साथ मिलकर मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का सामूहिक समाधान तलाशा जाए। मेरी सरकार इसको सिर्फ एक डिप्लोमैटिक प्रोग्राम तक

सीमित नहीं रखना चाहती ।बल्कि यह पूरे देश के प्रयास से, भारत के सामर्थ्य और संस्कृति को शो-केस करने का अवसर है। इसलिए पूरे देश के दर्जनों शहरों में सालभर जी-20 की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

माननीय सदस्यगण, यह भारत के वैश्विक रिश्तों का बेहतरीन दौर है। हमने दुनिया के विभिन्न देशों के साथ अपने सहयोग और मित्रता को सशक्त किया है। एक तरफ हम इस वर्ष एससीओ की अध्यक्षता कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ क्वाड का मेंबर होने के नाते, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम कर रहे हैं।

हमने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए अपनी भूमिका का विस्तार किया है। अफगानिस्तान में भूकंप हो या फिर श्रीलंका का संकट, हम सबसे पहले मानवीय सहायता लेकर पहुंचे।

भारत को लेकर आज जो सद्भाव है उसका लाभ हमें अफगानिस्तान और यूक्रेन में पैदा हुए संकट के दौरान भी मिला। संकट में फंसे अपने नागरिकों को हम इन देशों से सुरक्षित लेकर आए हैं। इस दौरान भारत ने कई अन्य देशों के नागरिकों की मदद करके अपना मानवीय स्वरूप फिर दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

माननीय सदस्यगण, भारत ने आतंकवाद को लेकर जो कड़ा रुख अपनाया है उसको भी आज दुनिया समझ रही है। इसलिए आतंकवाद के विरुद्ध भारत की आवाज़ को हर मंच पर गंभीरता से सुना जा रहा है। पिछले वर्ष अक्टूबर में भारत में पहली बार यूएनएससी काउंटर-टेररिज्म कमेटी की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इसमें भी भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी भूमिका को स्पष्ट किया। साइबर सिक्योरिटी से जुड़ी चिंताओं को भी मेरी सरकार गंभीरता से पूरे विश्व के सामने रख रही है।

मेरी सरकार का साफ मानना है कि स्थाई शांति तभी संभव है,जब हम राजनीतिक और रणनीतिक रूप से सशक्त होंगे। इसलिए अपनी सैन्य शक्ति के आधुनिकीकरण पर हम निरंतर बल दे रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की अनंत यात्रा अनंत गौरवों से भरी हुई है। हमने लोकतंत्र को एक मानवीय संस्कार के रूप में विकसित किया है, समृद्ध किया है। अपने हज़ारों वर्षों के अतीत की तरह ही,आने वाली सदियों में भी भारत, मानवीय सभ्यता की अविरल धारा की तरह अनवरत गतिमान रहेगा।

- भारत का लोकतंत्र समृद्ध था, सशक्त था, और आगे भी सशक्त होता रहेगा।
- भारत की जीवटता अमर थी, आगे भी अमर रहेगी।
- भारत का ज्ञान-विज्ञान और अध्यात्म सदियों से विश्व का मार्गदर्शन करता रहा है, और आने वाली सदियों में भी विश्व को इसी तरह राह दिखाएगा।
- भारत के आदर्श और मूल्य,अंधकार से भरे गुलामी के दौर में भी अक्षुण्ण रहे हैं, और ये आगे भी अक्षुण्ण बने रहेंगे।
- एक राष्ट्र के रूप में भारत की पहचान अतीत में भी अमर थी,और भविष्य में भी अमर रहेगी।

लोकतंत्र के केंद्र, इस संसद में हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम मुश्किल लगने वाले लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करके दिखाएं। जो कल होना है उसे आज पूरा करने की कोशिश करें। जिसे दूसरा कोई आने वाले दिनों में करने के बारे में सोच रहा है उसे हम भारतवासी पहले करके दिखा दें।

आइये,अपने लोकतन्त्र को समृद्ध करते हुए हम उस वेद-वाक्य को आत्मसात करें जिसमें कहा गया है **-"संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम"** । अर्थात्, हम सब एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलें, हमारे संकल्प स्वरों में एकता का प्रवाह हो और हमारे अन्तःकरण एक दूसरे से जुड़े हुए हों।

आइये, हम राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए संविधान की शपथ को पूरा करें।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!

<u>अपराह्न 12.51 बजे</u>

निधन संबंधी उल्लेख

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अत्यंत दु:ख के साथ, मैं सभा को हमारे साथी श्री संतोख सिंह चौधरी और हमारे तीन पूर्व साथियों के निधन के बारे में सूचित करना चाहता हूं।

श्री संतोख सिंह चौधरी पंजाब के जालंधर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान लोक सभा के सदस्य थे। वे 16वीं लोक सभा के भी सदस्य रहे।

श्री चौधरी अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी समिति तथा शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी समिति के सदस्य भी रहे थे।

इससे पहले श्री चौधरी दो कार्यकालों के लिए पंजाब विधान सभा के सदस्य तथा पंजाब सरकार में मंत्री भी रहे।

श्री संतोख सिंह चौधरी का निधन 76 वर्ष की आयु में 14 जनवरी, 2023 को जालंधर में हुआ।

श्री बसवनगौड़ कोलूर कर्नाटक के बेल्लारी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 13वीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री कोलूर विदेशी मामलों संबंधी समिति के सदस्य रहे थे।

श्री बसवनगौड़ कोलूर का निधन 88 वर्ष की आयु में 25 नवम्बर, 2022 को बेल्लारी, कर्नाटक में हुआ।

श्री सत्यनारायण कैकला आंध्र प्रदेश के मछलीपटनम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 11वीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री सत्यनारायण कैकला का निधन 87 वर्ष की आयु में 23 दिसम्बर,2022 को हैदराबाद में हुआ।

श्री शरद यादव मध्य प्रदेश के जबलपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से पांचवीं और छठी लोक सभा, उत्तर प्रदश के बदायूं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नौवीं लोक सभा और बिहार के मधेपुरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 10वीं, 11वीं, 13वीं और 15वीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री यादव चार कार्यकालों के लिए राज्य सभा के सदस्य भी रहे।

श्री शरद यादव ने वित्त संबंधी समिति, शहरी विकास और उद्योग संबंधी समितियों के सभापति के रूप में कार्य किया। वे विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे।

उन्होंने केंद्र सरकार में वस्त्र और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, नागर विमानन, श्रम, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालयों में केंद्रीय केबिनेट मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

श्री शरद यादव का निधन 75 वर्ष की आयु में 12 जनवरी, 2023 को गुरूग्राम में हुआ।

यह सभा श्री संतोख सिंह चौधरी तथा हमारे पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती है।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर मौन रहेगी।

ओम् शांति शांति शांति।

<u>अपराह्न 12.52 बजे</u>

तत्पश्चात सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।

अपराह्न 12.54 बजे

अध्यक्ष द्वारा घोषणा

(1) भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहला आई.सी.सी. अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई

[हिन्दी]

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, महिला क्रिकेट टीम ने 29 जनवरी, 2023 को दक्षिण अफ्रीका में पहला आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप जीता है। यह सभा भारतीय महिला क्रिकेट टीम को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देती है। उनकी इस विजय से युवा खिलाड़ियों को निश्चित रूप से प्रेरणा मिलेगी। सदन की ओर से अंडर-19 भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों को बधाई और उनके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

अपराह्न 12.55 बजे

(2) मेंबर्स पोर्टल के माध्यम से आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 का डिजिटल परिचालन

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, जैसा कि आपको समाचार भाग-दो के माध्यम से पहले ही सूचित किया जा चुका है कि माननीय मंत्री जी द्वारा आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत किए जाने के पश्चात् उसकी प्रतियाँ मेम्बर्स पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध करा दी जाएंगी।

<u>अपराह्न 12.56 बजे</u>

सभा पटल पर रखे गए पत्र

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर-3, श्रीमती निर्मला सीतारमण जी।

[अनुवाद]

वित्त मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण): महोदय, मैं निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखती हूँ:-

1. आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23
2. आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 - मुख्य बातें।
3. आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 - सांख्यिकीय परिशिष्ट।

[ग्रंथालय में रखा गया, देखिए संख्या एल.टी. 8491ए/17/23]

[हिन्दी]

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी): अध्यक्ष महोदय, मैं संविधान के अनुच्छेद 151 (1) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूं:-

1. वर्ष 2021-22 के लिए वित्त लेखे - संघ सरकार।

2. वर्ष 2021-22 के लिए विनियोग लेखे (सिविल) - संघ सरकार।

[ग्रंथालय में रखा गया, देखिए संख्या एल.टी. 8492/17/23]

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही कल बुधवार दिनांक 01 फरवरी, 2023 को प्रात: 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

<u>अपराह्न 12.57 बजे</u>

तत्पश्चात लोक सभा बुधवार, 1 फरवरी, 2023 / 12 माघ, 1944 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण, अंग्रेजी संस्करण और हिन्दी संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं*:*

https://sansad.in/ls

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का संसद टी.वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की कार्यवाही समाप्त होने तक होता है।

© 2023 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (सत्रहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अन्तर्गत प्रकाशित